मीडिया का साहित्य पर प्रभाव

आसिया सय्यद

छात्र/छात्रा, के.एल.ई. (KLE) का जी.आई. बागेवाड़ी कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय, निपाणी।

DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.17263599

ABSTRACT:

मीडिया हम लोगों के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। आज के इस दुनिया में ऐसा माना जाता है की सोशल मीडिया ही हमारे समस्या का समाधान है और इसका जीता जागता उदाहरण आज की युवा पीढ़ी है। सोशल मीडिया एक ऐसा साधन है जो हमें दुनिया की किसी भी कोने की जानकारी जानने में मदद करता है। मीडिया के अनेक प्रकार हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख प्रकार हैं:

1. प्रिंट मीडिया
2. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया
3. डिजिटल मीडिया
4. सोशल मीडिया
5. विजुअल मीडिया
6. ऑडियो मीडिया
7. आउटडोर मीडिया
8. इनडोर मीडिया

आज के वर्तमान युग में लोग पुस्तकों से ज्यादा सोशल मीडिया को पसंद करते हैं। पहले जमाने में संदेश भेजना होता था तो हाथ के द्वारा प्रचलित किया करते थे, लेकिन आज सिर्फ बटन दबाने की दूरी है। एक ही क्षण में संदेश एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंच जाता है। इस मीडिया के वजह से हमारा काम और भी आसान होता चला जा रहा है, इसलिए हमारी प्रवृत्ति सोशल मीडिया की ओर झुकती जा रही है।

KEYWORDS:

सोशल मीडिया, मीडिया के प्रकार, साहित्य पर प्रभाव, डिजिटल मीडिया, प्रिंट मीडिया.

प्रस्तावना:

प्रिंट मीडिया:

आज हम बात करें प्रिंट मीडिया की तो इसमें पत्रिका, अखबार, किताबें जैसे माध्यम प्रचलित हैं। जैसे कि, जब अखबार छपता है तो पूरी दुनिया भर में इसका प्रसार होता है और अखबार के द्वारा जानकारी दी जाती है। अखबार में पूरे देश की ताजा घटनाओं को पढ़ने को मिलता है। प्रिंट मीडिया में अनेक भाषाओं में अखबार छपते हैं। एक तरीके से हमें अखबार में सारी दुनिया की खबर देखने को मिलती है। जब हम घर में कार्यक्रम को आयोजित करते हैं तो हमें निमंत्रण पत्र की आवश्यकता होती है। निमंत्रण पत्र को छपवाने के लिए हम प्रिंट मीडिया का सहारा लेते हैं। जितनी किताबों की उपयोगिता शिक्षक गण को है उतनी ही विद्यार्थियों को है। शिक्षा प्राप्त करने के लिए किताब बहुत ही महत्वपूर्ण है। उदाहरण के तौर पर इस आर्टिकल को ही ले लीजिए जो प्रकाशित होने के लिए प्रिंट होना जरूरी है। आज के युग में तकनीक इतनी आगे बढ़ चुकी है कि उसके लिए प्रिंट मीडिया का हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका है। इस प्रिंट मीडिया का सबसे ज्यादा फायदा विद्यार्थियों को होता है, जैसे की किसी महत्वपूर्ण सामग्री को हम प्रिंट करवा देते हैं और इसी तरह पूरी दुनिया भर में प्रिंट मीडिया प्रकाशित हो चुकी है और आज एक मशहूर प्रिंट मीडिया बन चुकी है।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया:

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया उन सभी माध्यमों को कहते हैं जो इलेक्ट्रॉनिक तकनीक का उपयोग करके अलग-अलग प्रकार की जानकारी, समाचार, मनोरंजन आदि को सीधे रूप से लोगों तक पहुंचाते हैं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का उपयोग आधुनिक दुनिया में बढ़ता जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने दुनिया को एक उच्च स्तर पर पहुँचाया है। आज के काल में हर किसी के घरों में टेलीविजन, रेडियो जैसे साधन उपलब्ध हैं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से हमारे भारत देश में बहुत से सुधार हो रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का प्रभाव विद्यार्थियों के शिक्षा में बहुत ज्यादा प्रभावशाली है। जैसे कि लैपटॉप, मोबाइल, टैब इन सभी उपकरणों से हम अपने विचार दूसरों तक पहुंचा सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया मानव जीवन का एक हिस्सा बन गया है क्योंकि मानव की हर सुबह से ही

इसकी शुरुआत हो जाती है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तेजी से हमारे भारत में प्रसार हो रही है, बढ़ रही है। भारत में पिछले कुछ सालों से तकनीक आगे बढ़ चुकी है, जो पहले के काल में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का नामोनिशान नहीं था। वही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ऐसे उभर कर आया है की जैसे बीज बोने के बाद पौधे उगते हैं, लेकिन इसका उपयोग एक हद तक करना चाहिए क्योंकि जहां फायदा होता है वहां नुकसान भी होता है।

Digital media:

जब से डिजिटल मीडिया का उदय हुआ है तब से लोगों की परेशानियां कम होती जा रही है। डिजिटल मीडिया से शिक्षा में मदद होती है, जैसे की कोई ऑनलाइन क्लास। आजकल तो डिजिटल मीडिया फैशन सा बन गया है। हमारे पूरे देश में कोरोना जैसे बीमारी ने पूरी दुनिया के लोगों को तहेस-नहस करके रख दिया था, तभी डिजिटल मीडिया इस सारे संसार का आधार बन कर रह गया था। डिजिटल मीडिया के मुख्य प्रकार होते हैं जैसे की ऑडियो, वीडियो, टेक्स्ट , छवियां। इन उपकरणों का उपयोग हम रोज के जीवन में करते हैं। डिजिटल मीडिया की एक आदत सी लग गई है, जो अब हमारी जरूरत बनकर पूरी दुनिया भर में लोगों के लिए रह गई है।

विजुअल मीडिया:

आज के जनरेशन में विजुअल मीडिया का होना अहम है क्योंकि हमारे विचारों को चित्रित करने या बनाने का कार्य विजुअल मीडिया करता है और सारे लोगों तक उसे चित्रण को प्रकट करता है इसीलिए इसे विजुअल मीडिया कहते हैं। विजुअल मीडिया के दो प्रकार हैं, पहला है दृश्य संचार और दूसरा मल्टीमीडिया। जानकारी तो मिल जाती है लेकिन विजुअल मीडिया से जानकारी मिलने से लोग और भी आकर्षित होते हैं। विजुअल मीडिया से बेहतर समझ, अधिक प्रभावी और अधिक जुड़ाव लोगों के दिमाग में पैदा करता है। विजुअल मीडिया किसी भी क्षेत्र को आगे बढ़ने का कार्य करता है और उसको लोगों के हृदय तक पहुँचाता है। एक तरह से विचारों को लोगों के सामने अभिव्यक्त करने का कार्य विजुअल मीडिया करता है।

आउटडोर मीडिया:

जैसे पौधों की जड़ें मजबूत होते हैं वैसे ही हमारे समाज में आउटडोर मीडिया की जड़ें उतनी ही मजबूत होती जा रही है। आउटडोर मीडिया ने इस दुनिया में अपना स्थान बना लिया है। किसी भी कार्य को अच्छी तरह से दर्शाता है। उदाहरण के तौर पर कॉलेज में होने वाले कार्यक्रम, जो कार्यक्रम को बहुत ही बखूबी से दर्शाता है। आउटडोर मीडिया जागरूकता का भी बहुत ख्याल रखता है।

सोशल मीडिया:

सोशल मीडिया पर देखा जाए तो जैसे लोगों को जीने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह सोशल मीडिया एक जिंदगी बन गई है। सोशल मीडिया से उपयोग भी होता है और नुकसान भी। कुछ अजीब सा है सोशल मीडिया जो अनजान लोगों को परिचित करता है और नई सोच एवं विचारों को बढ़ावा देता है। आजकल सोशल मीडिया पर क्या कुछ नहीं मिलता, जैसे की शैक्षणिक रूपों में देखा जाए तो विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन क्लास, नोट्स, और उपलब्ध सामग्री हासिल होते हैं। हम सोशल मीडिया से अलग अलग संस्कृतियों को, उनके परंपराओं को समझ सकते हैं। सोशल मीडिया व्यापार में बहुत ही उपयोगिता के रूप में जानी जाती है क्योंकि व्यापार में होने वाले उतार-चढ़ाव को हम सोशल मीडिया से जानते हैं और व्यापार तो हम खुद करते हैं, लेकिन उसे बढ़ावा/प्रचार करने का काम सोशल मीडिया करता है। सोशल मीडिया का अर्थ सिर्फ अपने परिवार, अपने दोस्त, अपने आसपास के लोगों तक सीमित रहना नहीं है। वैश्विक स्तर पर और राजनीतिक तौर पर नया रूप देना ही सोशल मीडिया है। इतना ही नहीं बल्कि मानवता के परिभाषा को भी स्पष्ट किया है। सोशल मीडिया एक लोगों का आवाज बन गया है और आज सोशल मीडिया हमारा अहम योगदान है जो हमें हर स्तर, हर समय सामाजिक बना रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से आपसी मेलजोल बढ़ाया जा सकता है, लेकिन आज की युवा पीढ़ी सोशल मीडिया को एक हद से ज्यादा महत्व दे रही है, जो युवा पीढ़ी के लिए खतरनाक हो सकता है। इसीलिए इस सोशल मीडिया से उलझने से बेहतर है कि किताबों से उलझें क्योंकि यह जिंदगी में कभी भी किताबों के वजह से कोई भी बाधाएँ/रुकावटें नहीं आएगी और यह दावे

के साथ कह सकते हैं।

सोशल मीडिया एक मास्टरपीस है जो मानव जीवन को प्रोत्साहित करता है। व्हाट्सएप, यूट्यूब, ट्विटर, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, फेसबुक जैसे उपकरणों का उपयोग करना हम सभी जानते हैं। इन सब का महत्व इतना बढ़ चुका है जैसे मानव के जीवन में अन्न, वस्त्र, निवास, पानी इन सब की जरूरत होती है। इसके बिना मानव का जीना नहीं होता, वैसे ही आज सोशल मीडिया के बिना रहना संभव नहीं है।

सोशल मीडिया के कुछ सकारात्मक विचार:

» शैक्षणिक विभाग में सोशल मीडिया का होना जरूरी है।
» टेलीविजन/फिल्मों के द्वारा हमें एक नया संदेश दिया जा सकता है।
» अधिक से अधिक जानकारी की उपलब्धि हो सकती है।
» आज अलग-अलग कार्यों को सहजता से निभा पाते हैं तो सिर्फ मीडिया के वजह से।
» राजनीति में भी इसका उपयोग किया जाता है।
» आज हम ज्ञान को प्राप्त कर रहे हैं तो वह सोशल मीडिया के वजह से।
» विद्यार्थियों के जीवन में एक शस्त्र बनकर रह गया है।
» सोशल मीडिया पैसा कमाने का साधन है।
» सोशल मीडिया हमें अलग-अलग क्षेत्रों और उनकी खूबियों के बारे में खबर देता है।
» सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सोशल मीडिया को समस्या का समाधान माना जाता है।

सोशल मीडिया के नकारात्मक विचार:

» सोशल मीडिया से हम हमारे ज्ञान को एकाग्र नहीं कर सकते।
» ऐसा माना जाता है कि युवा पीढ़ी आने वाला देश का भविष्य है।
» सोशल मीडिया के वजह से लोग एक दूसरे को वक्त नहीं दे पाते।
» सोशल मीडिया का हमारे जिंदगी में आने से हम अपनी जिंदगी को भूल चुके हैं।
» सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे फोटो/प्रोफाइल और अकाउंट को हैक कर हमारी परेशानियों को बढ़ावा मिलता है।

उदाहरण में जैसे, शराब हमारे जीवन में दवा की भूमिका भी निभाता है, साथ ही साथ विष फैलाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ता,

वैसे ही हमें अपने जीवन में सोशल मीडिया का स्वरूप देखने को मिलता है।

निष्कर्ष:

सोशल मीडिया एक डिवाइस है जिसका कार्य सभी लोगों तक जानकारी पहुँचाना, साथ ही साथ एंटरटेनमेंट करना तथा मनोरंजन करना। इसका सही तरह से उपयोग करने से उसका प्रतिफल भी अच्छा ही होगा। सोशल मीडिया अधिक से अधिक माहिती प्रदान करने का माध्यम बन गया है।

Funding:
This study was not funded by any grant.

Conflict of interest:

The Authors have no conflict of interest to declare that they are relevant to the content of this article.

About the License:

© The Authors 2024. The text of this article is open access and licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.